RNI Regn.No.- 54447/78 स्थापित: 1978 Postal Reg. No. UA/NTL- 08/ 2024-26

पिघलता हिमालय

वर्ष 39 अंक 17 हल्द्वानी सम्वत् 2080 सोमवार 2 अक्टूबर 2023 एक प्रति 5 रु., वार्षिक-200 रु. आजीवन 2000 रु.

संस्थापक- स्व.आनन्द बल्लभ उप्रेती
स्व.दुर्गा सिंह मर्तोलिया,
स्व.श्रीमती कमला उप्रेती

editorpighaltahimalay@gmail.com
Website-
www.pighaltahimalay.com

सम्पादक : श्रीमती गीता उप्रेती
संरक्षक : फली सिंह दत्ताल
मंगल सिंह मर्तोलिया

वनराजियों को मुख्य धारा से जोड़ने की मांग

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

पिथौरागढ़। जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति के नेतृत्व में वनराजियों ने जिलाधिकारी से भेंट कर उन्हें मुख्य धारा से जोड़ने की मांग की। उन्होंने कहा कि वनराजि शिक्षा, सड़क, आवास, स्वास्थ्य और बेरोजगारी से परेशान हैं।

डीडीहाट और कनालीछीना विकासखण्ड के वनराजि जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति की अध्यक्ष पूजा जंगपांगी के नेतृत्व में डीएम कार्यालय पहुँचे। उन्होंने कहा कि सरकार वनराजियों को मुख्यधारा से जोड़ने की बात करती है लेकिन वह आज भी शिक्षा सहित मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं। डीएम को बताया कि संस्था ने वनराजि गाँव कूटा चौरानी और फुलतड़ी का भ्रमण किया, जहाँ महिलाओं और पुरुषों की दयनीय स्थिति है। कुपोषण का शिकार यह लोग हो रहे हैं। यातायात सुविधा तक नहीं है, ऐसे में महिलाओं को प्रवस के दौरान तमाम कष्ट झेलने होते हैं। वनराजि गाँव जमतड़ी, मदनपुरी, कूटा, चौरानी, फुलतड़ी और गुना गाँव जाने के लिये आठ किमी तक पैदल चलना पड़ता है। डीएम से मिलने वालों में संस्था के पूरन सिंह टोलिया, वनराजि परूली देवी भी थी।

दूसरी ओर जौलजीवी में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से राजि जनजातियों के उत्थान और कानून की जानकारी देने के लिये विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर में सीनियर सिविल जज और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव विभा यादव ने राजि जनजाति के लोगों से वार्ता कर उनके लिए बनाए जा गए कानून की जानकारी दी। आदिवासियों के अधिकार का संरक्षण और प्रवर्तन के लिए विधिक सेवा योजना के क्रियान्वयन के बारे में भी जानकारी दी गई। शिविर में तहसील धारचूला के भक्तिरुवा, चिफलतरा, किमखोला, गणागाँव के वनराशि पहुँचे थे।

महिला आरक्षण के बाद बदल जाएंगे सियासी समीकरण

उत्तराखण्ड विधानसभा सीटों की रणनीति में चर्चा

कार्यालय प्रतिनिधि

इस बार गणेश चतुर्थी को देश के नए संसद भवन में महिला आरक्षण विल के साथ ही सियासी समीकरणों पर चर्चा होने लगी है। नारी शक्ति वन्दन विधेयक पेश होने के बाद यह तो तय है कि परिसीमन न होने के कारण 2024 के लोक सभा चुनाव में यह लागू नहीं हो पायेगा लेकिन इसके बाद होने वाले चुनावों में तस्वीर बदलेगी। इन्हीं सारी बातों को लेकर उत्तराखण्ड में भी नेतागण विचार करने लगे हैं।

महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के बाद उत्तराखण्ड विधानसभा में महिलाओं के लिये 23 सीटें बन जायेंगी। आरक्षण लागू होते ही विधानसभा के अलावा जिलों के स्तर पर विधायक के रूप में महिलाओं का प्रतिनिधित्व भी बढ़ जायेगा। उत्तराखण्ड में इस समय चुनी गई पार्वती दास सहित 9 महिला विधायक हैं। महिलाओं को आरक्षण का कानून लागू होने में अभी समय लगना है परन्तु जिनकी ताना-बाना ही राजनीति हो वह इसके लिये बेचैन हो उठे हैं। उत्तराखण्ड में तो अभी परिसीमन में 70 विधानसभा सीटों के अलावा भी नई सीटों की तैयारी होनी है। ऐसे में भविष्य की राजनीति और इसकी रणनीति बदलनी ही है।

इस बीच उत्तराखण्ड विधानसभा की अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी ने महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण सम्बन्धी विधेयक को सरकार का क्रान्तिकारी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि इस आरक्षण से महिलाओं की भूमिका समाज में बढ़ेगी और उनका सशक्तिकरण भी होगा। महिलाओं की आवाज को राष्ट्रीय स्तर पर मजबूती मिलेगी।

हल्द्वानी मेयर-विधायक की तनातनी

हल्द्वानी। मेयर डॉ.जोगन्द्र रौतेला और विधायक सुमित हृदयेश के बीच तनातनी बढ़ती जा रही है। दरअसल नैनीताल रोड स्थित सौरभ होटल का पार्क पहले से चर्चा में रहा है। विधायक का कहना है यह लीज पर लिया है। मेयर का कहना है कितने समय के लिये लिया है यह मामला कोर्ट में पता चल जायेगा। बताया जा रहा है अक्टूबर में यह प्रकरण पर चर्चा होनी है।

जसुली बूढ़ी लला शौक्याणी जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धन समिति की बागेश्वर में बैठक

धर्मशाला रूपी धरोहरों के जीर्णोद्धार व संरक्षण पर मंथन

पिघलता हिमालय प्रतिनिधि

बागेश्वर। भोटिया पड़ाव में जसुली बूढ़ी लला सोक्यानी धर्मशाला जीर्णोद्धार एवं प्रबन्धन समिति (पंजी.) की बैठक फली सिंह दत्ताल की अध्यक्षता में हुई। समिति की प्रथम कार्यकारिणी बैठक में सर्वप्रथम परिचय देते हुए सदस्यों ने सदस्यता ग्रहण की। इसमें दर्जनभर सदस्यों ने आजीवन सदस्यता ग्रहण कर इस अभियान को पुरजोर तरीके से चलाने का संकल्प दोहराया। इनमें अध्यक्ष श्री दताल के अलावा संरक्षक फल सिंह बोनाल, उपाध्यक्ष गंगा सिंह पांगती, देव सिंह पंचपाल, बाला सिंह पंचपाल, शेर सिंह रावत, अशोक गर्ब्याल, दलजीत सिंह पछाई, शंकर सिंह दुग्ताल, देवेश सिंह गर्ब्याल, सुनील सिंह दताल, अर्जुन सिंह बोनाल, विवेक सिंह सीपाल हैं। बेरीनाग सैनिक संगठन की ओर से आये श्रीमान डांगी व अभियान में जुटे सभी जनों का आभार प्रकट किया गया। बैठक में इस बात पर जोर दिया गया कि किसी प्रकार दानवीरांगना जसुली लला की धर्मशालाओं को सुरक्षित कर उनके रख-रखाव की व्यवस्था बने। इसके लिये शासन पर जिस प्रकार की कार्यवाही सम्भव हो उससे कहा जायेगा। यह हमारी सांस्कृतिक धरोहर हैं इन्हें संरक्षित करने की दिशा में जुटे हुए हर प्रयास को सराहना है और इनकी खोज जारी रखनी है।

जोहार सामाजिक एवं सांस्कृतिक समिति के कार्यालय, भोटिया पड़ाव में हुई समिति की इस बैठक में तय किया गया कि प्रथम वार्षिक अधिवेशन भवाली अल्मोड़ा हाईवे पर सुयालबाड़ी के खीना पानी स्थान में किया जायेगा। इस स्थान पर प्राचीन धर्मशाला का जीर्णोद्धार व सुन्दरीकरण का कार्य जोरों पर चल रहा है। इसके उद्घाट अवसर पर होने वाले वार्षिक अधिवेशन के लिये समिति का विस्तारीकरण हुआ जिसमें इंजी.फल सिंह बोनाल संरक्षक, गंगा सिंह पांगती वरिष्ठ उपाध्यक्ष/प्रवक्ता, देव सिंह पंचपाल उपाध्यक्ष अल्मोड़ा, सुन्दर सिंह बोनाल उपाध्यक्ष पिथौरागढ़, नरेन्द्र सिंह दताल उप सचिव, श्रीमती पुष्पा ग्वाल दुग्ताल सांस्कृतिक सचिव, एडवोकेट राजेन्द्र सिंह कुटियाल कानूनी सलाहकार, इंजी. सुनील सिंह दताल आडिटर हैं।

इस बीच जसुली लला की धर्मशालाओं के संरक्षण के लिये समिति से जुड़े लोग, इस सांस्कृतिक अभियान के समर्थक लगातार जुड़ रहे हैं और इस अभियान के बड़े परिणाम दिखाई देंगे ऐसी उम्मीद जगी है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

पिघलता हिमालय

विधायक होने का मतलब

द्वाराहाट के विधायक मदन बिष्ट द्वारा इंजीरियरिंग कालेज के निदेशक के घर जाकर जिस प्रकार की अभद्रता करते हुए धमकाया वह जनप्रतिनिधि के नाम पर धब्बा के रूप में अंकित हो चुके हैं। इस घटना से यह भी पता चल रहा है कि जनप्रतिनिधि के रूप में किस प्रकार के लोग नेतृत्व करने लगे हैं। मदन बिष्ट तो क्या अन्य के नाम भी कई बार इस प्रकार की दादागिरी के लिये सुने जाते हैं। मदन बिष्ट का मामला तो वायरल हो चुका है इसलिये सब उनपर बरस रहे हैं।

विधायक होने का मतलब आखिर क्या है? जनप्रतिनधि के रूप में जनता को न्याय दिलाने व क्षेत्र के विकास के लिये विधायकों को कार्य करने चाहिये लेकिन सुनने को मिलता है कि विधायक-सांसद के अलावा पार्टियों से जुड़े छुटभैय्ये भी विभागों, निगमों, कालेजों, ठेकेदारों, कारोबारियों को धमकाने लगते हैं। किसी न किसी प्रकार की उलझन करवाना और दबाव बनाने के यह नीति बहुत ही गलत बात है। आखिर किसी विधायक को इतनी जल्दबाजी क्या होने लगी है कि वह किसी अधिकारी के घर तक रात में जाकर हंगामा करे। द्वाराहाट विधायक मदन बिष्ट ने भी ऐसी गलती कर दी है, जिसके लिये उनकी पार्टी भी कुछ कहने की स्थिति में नहीं है। चौतरफा घिरे विधायक के लिये कांग्रेस के प्रभारी ने तक कह दिया कि जाँच होगी।

जनप्रतिनिधि के रूप में जनता किन लोगों को चुन रही है, उसे भी विचार कर लेना चाहिये। चुनाव के दौरान लोभ-लालच में बिकने वाले गलती कर बैठते हैं और चुने गये नेता अपनी हरकतों से बाज नहीं आते। चुनाव में जितना खर्च हुआ है उसे वसूलने की नीयत के अलावा अनाप-सनाप जमा करने की भूख इन्हें गलत रास्ते पर ही ले जाती है। कोई भी विधायक-सांसद जनता का वह प्रतिनिधि होता है जिसे अपने क्षेत्र की आवाज के रूप में सदन में अवसर मिलता है। इसका यह मतलब नहीं है कि उसकी दबंगता से लोग थर्राएं और अधिकारी-कर्मचारी डर के काम करें।

अंकिता हत्याकाण्ड में हाथ खाली

अंकिता हत्याकाण्ड का एक वर्ष पूरा हो चुका है लेकिन हत्यारों का खुलासा न होना सवाल है। अंकिता भण्डारी मामले में सरकार से वीआईपी का नाम खोले जाने की मांग को लेकर पूरे प्रदेश में आवाज उठ रही है। जगह-जगह लोगों ने अंकिता को श्रद्धांजलि देने के साथ ही सरकार पर हमला बोला है। कांग्रेस ने अंकिता की बरसी पर कैंडल मार्च निकालते हुए कहा कि देवभूमि की बेटियों का शोषण हो रहा है और सरकार टालमटोल कर रही है।

उक्त मामले में कोई तो गड़बड़ जरूर है, क्योंकि जिस प्रकार से जन दबाव के बाद छानबीन हुई और सबूत मिलने लगे थे लेकिन धीरे-धीरे मामला उलझता जा रहा है या उलझाया जा रहा है। इस पूरे प्रकरण में सीबीआई जाँच कराते हुए वीआईपी की पकड़ होनी चाहिये। इससे कई राज खुल सकेंगे।

फसक

दाज्यू, साहब को खुश करना ही ठैरा

कागज-पत्तर लेकर सरकाना तो चूहेमार गोली जैसा होता है बल

दाज्यू, बहुत दिनों बाद हमने शहर का मुंह देखा। देखा क्या, सीधे पटरी पार वाले कालेज में चले गये जहाँ खूब खप्ड़योव होती रहती है। तभी साहब को खुश करने के लिये कतार लगने लगी। दाज्यू, हम ठैरे बेशरम। हमें क्या पता दस्तूर भी कुछ होता है। कोई पापड़ ला रहा था, कोई डायरी, कोई मूर्ति और पेन और चाकलेट। लेकिन साब भी क्या करें, जो ला रहा है उसे मना भी तो नहीं किया जा सकता है। दाज्यू, साहबों के सामने भी बहुत मजबूरी ठैरी ढीठों से काम लेना हुआ।

दाज्यू, सुना था अन्दरखाने मरामार-चुटाचूट होती रहती है लेकिन यह भी तो गलत ही हुआ कि अपने साब को लटकन लाल मान लो। भैरु कह रहा है- 'रुपया रूठना नहीं चाहिये। इसके लिये कसरत करने वाले कुछ भी कर सकते हैं।' भैरू ने अपनी सुपुत्री के मुंह में झांपड़ मार दिया और कहने लगा- 'यह कालेज में मौखिक परीक्षा के लिये गई थी। पता नहीं कैसे-कैसे प्राध्यापक हैं, बाहर से आने वाले प्राध्यापक के लिये गिफ्ट मंगवाया। बच्चों ने चन्दा कर सुन्दर सी मूर्ति खरीद डाली और मौखिक परीक्षा से पहले बाहर से आने वाले को देने लगे। बाहर से आये प्राध्यापक बोले- मैं बुद्ध को मानने वाला हूँ ये मूर्ति अपने ही गुरु को दे दो।' दाज्यू, पिता के हाथ झांपड़ खा चुकी मुनिया ने बताया- 'देवी की मूर्ति ले गये थे।' दाज्यू, हमारे दिमांग में करंट सा दौड़ने लगा क्योंकि वही चन्दे वाली मूर्ति साहब को भेंट की गई थी। साहब बेचारा क्या जाने की कलजुग में कितने प्रकार के अवतार हो चुके हैं। माचिस की डिबिया में भी कमीशन खाने वाले कुछ भी कर सकते हैं। सारा खेला रुपये का है और कहते हैं नीदरलैंड से लेकर इंग्लैण्ड तक का अनुभव है। हो चुके ऐसे हालातों ने ही तो पलीता लगाया है।

दाज्यू, कागज-पत्तर लेकर सरकना तो चूहेमार गोली जैसा होता है बल। भगवान, साहब की रक्षा करे। हमें बहुत डर लगने लगा है कि जब टीए-डीए लेने वाले वाह्य परीक्षक के लिये बच्चों से चन्दा करवा कर गिफ्ट दिलवा दिया जाता है तो और क्या नहीं होता होगा? दाज्यू, माटी रौंदने वाले समझ ही नहीं पा रहे हैं कि वह क्या कर रहे हैं। एक-दूसरे को हल्का कर अपना हलक तर करना आसान ठैरा। हे भगवान! इन बदमाशों से हमारे साब की रक्षा करना।

वायुसेना के हेलीकाप्टर चिनूक ने केदारनाथ धाम में निर्माण सामग्री पहुँचाई बल। भारी निर्माण सामग्री के लिये हेलीकाप्टर जरूरी हो गया था। दाज्यू, पटरी पार वाले कालेज में तो जलपान सामग्री सहित कई चीज पड़ोसी शहरों से पहुँचाई जाती हैं। अपने निजी छिनूक (छोटे वाहन) में लाने वाले प्राध्यापक बहुत प्रसन्न रहते हैं बल। नैक के समय तो खूब रंगत हुई थी। बबलू कह रहा था- 'इसका तो ऑडिट भी नहीं होता है। कितने के स्मार्ट टीबी आए, कितने के पर्दे-तोलिये, कितने के गमले-फूल, कितने रंगाई-पुताई.....कौन पूछने वाला है। मुंह में ठूंसते रहो......बस....सायंकाल को हलक की तरावट, प्रातःकाल आमलेट का ब्रेकफास्ट। दाज्यू, चूहेमार गोली डालकर चूहे में असर हो सकता है लेकिन भ्रष्टाचार रोकने के लिये किस गोली का प्रयोग हो। उधमसिंह नगर में नन्दा गौरी योजना में फर्जीवाड़ा होने पर 12 अभिभावकों पर मुकदमा हो गया है बल। द्वाराहाट में भी खपड़योप हो रही है बल। विधायक ने फरफराट कर दी बल। लोगबाग गुस्से में हैं।

रुद्रपुर में वसूली करने वाले दो कथित पत्रकार गिरफ्तार हो गये हैं। दाज्यू, जिला विकास प्राधिकरण की फर्जी मोहर-पेड से नोटिस भिजवाकर वसूली कर लिया करते थे बल। हम पहले से कह रहे हैं कि पत्तरफाड़ और पत्रकार का अन्तर समझो लेकिन सरकार सुन भी तो नहीं रही है। सुन जो लिया होता तो अपने मिशन पर अडिग पत्र और पत्रकारों की गत इतनी खराब थोड़ा ही होती। सब कुछ 'रम्बा-हो-हो-हो' हो गया ठैरा। किससे क्या कहें?

-तुम्हारा भुली झकरुवा

नहीं सूखे माता-पिता के आँसू, कौन था वीआईपी?

डॉ. हरीश चन्द्र अन्डोला

18 सितम्बर 2022 को पूरा उत्तराखण्ड सिहर गया था, जब अंकिता की लाश गंगा नदी से मिली थी। अंकिता भण्डारी की वनंत्रा रिजार्ट के मालिक पुलकित आर्य ने अपने दो साथियों के साथ हत्या कर दी थी। लेकिन शर्म की बात है कि एक गरीब माँ बाप अपनी बेटी के लिए इंसाफ मांगने के लिए दर-दर भटक रहे हैं। साल भर बाद भी उनको न्याय नहीं मिल सका है। अंकिता के माता-पिता उसे याद कर रोने लगते हैं। एक साल पहले पौड़ी जिले के डोभ श्रीकोट निवासी वीरेन्द्र भण्डारी की इकलौती बेटी अंकिता यमकेश्वर के वनंत्रा रिजार्ट से गुम हो गई थी। पिता वीरेन्द्र भण्डारी ने बताया कि लाडली बेटी को खो देने का गम आज तक उनको सता रहा है। लाडली के साथ ऐसा हादसा होगा, इस बात को याद करके भी रूह कांप जाती है। इस हत्याकाण्ड के बाद हर कोई उसके लिए इंसाफ की मांग कर रहा है मगर अंकिता को इंसाफ दिलाने में सरकार नाकामयाब रही है। सरकार ने अंकिता के गाँव तक सड़क पहुँचाने व बेटे को सरकारी नौकरी देने का भी भरोसा दिया था लेकिन एक साल बाद भी दोनों बातें आज तक पूरी नहीं हुई। अंकिता के माता-पिता की आँखें अब केवल न्याय मिलने की राह देख रही हैं। शर्म की बात यह है कि अबतक हत्याकाण्ड से जुड़े कई गवाह पेश हो चुके हैं जो कि इसको इंगित करते हैं कि पुलकित आर्या और उसके साथियों ने अंकिता की हत्या की है। यहाँ तक की तीनों ने हत्या का जुर्म भी कबूला है। उसके बावजूद अब तक न्याय नहीं मिल सका है। इस मामले में सरकार के आदेश से फास्ट ट्रैक अदालत में सुनवाई शुरू हुई। पुलिस ने चार्जशीट में 97 गवाह बनाए। इनमे से अब तक 19 गवाहों की गवाही कोर्ट में हुई है। इस दौरान गवाहों ने कोर्ट के सामने बहुत से नए तथ्यों को उजागर किया है। अंकिता भण्डारी की हत्या के बाद पूरे उत्तराखण्ड में विरोध प्रदर्शन हुए थे। कई जगह विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस से भी झड़पें हुई थी। राज्य सरकार ने अंकिता के नाम पर डोभ (श्रीकोट) कालेज का नाम रखने का फैसला किया है। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने 16 सितम्बर को इस सम्बन्ध में एक्स पर लिखा,'हमारी सरकार ने राजकीय नर्सिंग कालेज डोभ (श्रीकोट) का नाम दिवंगत बेटी अंकिता भण्डारी के नाम पर रखे जाने का निर्णय लिया है। हम बेटी अंकिता के परिजनों के साथ खड़े हैं और प्रदेश की हर बेटी का सम्मान और उनकी सुरक्षा को सुनिश्चित करने हेतु संकल्पबद्ध हैं।'

अंकिता के माता-पिता अब भी उसे न्याय दिलाने के लिए लड़ रहे हैं, बेटी का जिक्र करते हुए उनकी आँखें भर जाती हैं, जबान लड़खड़ाने लगती है लेकिन बेटी को इंसाफ दिलाने के लिए उनके हौसले बुलन्द हैं। उत्तराखण्ड में जिस तरह से महिला उत्पीड़न के मामले बढ़ रहे हैं सरकार को चाहिए की कड़े कदम उठाए जिससे इस तरह के मामलों की पुनरावृत्ति ना हो। आज एक वर्ष पूर्ण होने के बाद भी अंकिता के हथियारों को सजा नहीं मिली। वीआईपी के नाम का खुलासा सरकार के ढीला रवैया कारण आज भी नहीं हुआ। जिस वीआईपी के कारण अंकिता भण्डारी को अपनी जान गंवानी पड़ी है, सरकार उसे कड़ी से कड़ी सजा दिलाएं। आज भी उसके माता-पिता न्याय के लिए दर-दर भटक रहे हैं अंकित भण्डारी के माता-पिता को जब अंकिता की याद आती है तो उनकी आँखें नम हो जाती है वह उस दिन को याद करके रोने लगते हैं लेकिन बड़ा सवाल यह है कि आखिरकार अंकिता को न्याय क्यों नहीं मिल पाया क्यों साल भर बाद भी अंकित के माता-पिता न्याय के लिए भटक रहे हैं? हालांकि इस मामले पर सरकार के आदेश पर फास्ट ट्रैक अदालत में सुनवाई हुई है पुलिस ने चार्ज सीट में 97 गबाह बनाए हैं इनमें से अब तक 19 का गबाहो की कोर्ट में गवाही हो चुकी है लेकिन अभी अंकिता के परिजनों को न्याय की दरकार है।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

हरानै उणै मनख्वोव

उघड़ी सपड़ी समझणयां
हम जनुकैं आ भोव ।
उनरी अघिल पछिल पसरि रै कुकुर्योव ।।
मना क मनसुब
मनै रै गईं ।
मनखी में तो
भिजण रै धुर्त्योव।
वेद पुराणों क देश
हमर य गंगा जमुनी।
यां कां बै ऐ गे तो गोर्ख्योव ।।
मैंस कुनईं हम
ज्योंन छन कै ।
फिर भितेर किलै पसरि रै मुर्द्योव ।।
पेट च्यापि हचक
छन मैंस यां ।
देखि देखि इनरि
यसि रकस्योव ।।
आपण मना क
आफी ठुल हरीं ।
हम जै छिरि गयां
देखि इनरि उछ्योव ।
न्है जां कुनौ मन
यां बै टाड़ कै ।
धिती गयां देखि
इनरि बरपट्योव।।
कधैं के कई क्वे
सुणणी छौ यां ।
यसै जै लछण छना
घुरियैं छन भ्योव ।।
वूं कुणईं हम सब
तरक्की करणईं ।
पर हमु कैं बौण्यां
लागणईं आपणै स्योव।।
पढ़ाइ लिखाइ जदुकै
जाणैं अघिल कै।
उदुकै हरानैं उणैं
यां बै मनख्वोव ।।

मनै कि पीड़

मनै कि पीड़
के जै चौंछी के जै दिणी
जाणि किलै लचार छन ल्हिणी
जाणि किलै आपणि मनै कि पीड़ आफी पिणी
अरे! सुणि ल्हियो कान हात छन हमार
आब पीड़ पिणक बखत न्हैगो
मनै कि पीड़ा क घौ पुरिण है फैली
हिरू जास शेरू जसां हैं धात धत्या कूणी
भुलि जाया आब उ हाव भुल्यूणी
जब करछिया तुम तलि धर्ति माथि
अर मलि धर्ति ताव
डरै डरै धमकै धमकै बेर
लुछछिया गौव क गाउ
तब तुमार मूता क दी जगछी
जाव बुजि माछिया बिराउ
आङण गङ बगछी तुमरि
कब तांलै रौलि तुमरि त हाव
तुमर राज में सूरज लै अरड़ी रूंछी
जून तार जसां कैं को पुछंछी
दिन कैं रात अर रात कैं दिन बतूंछी
आज बखत बदई गो न्है गे उ हाव
माठु माठ कै नरू अर परू लै हण भैगीं छाव
भ्यैर भ्यैरै दी दी बेर बोल्यूणई
भितेर भितेरै ल्वात तांलै लुछणई
आओ अघिल मिलिजुलि सबै कूणई
के जै चौंछी के जै दी बेर बोल्यूणई
फुक्को पन इनार हमार क्वीड़ै क्वीड़
पर मनै में रौलि मनै कि पीड़।

-रतनसिंह किरमोलिया

नेक कार्य

घायल गाय का इलाज करवाया

बेरीनाग। समाजसेवी प्रकाश बोरा 'पीबी' ने गौ रक्षकों के साथ मिलकर घायल गाय का इलाज करवाया है और सभी से अपील की है कि बेजुबान पशु-पक्षियों पर अत्याचार न करें।

यहाँ बेसहारा गाय बहुत दिनों से घायल थी इसका दाहिना पैर बुरी तरह चोटिल हो गया और सड़ने लगा और इसकी दशा बहुत खराब थी इसकी मदद के लिए ना शासन प्रशासन और ना ही कोई सामाजिक संगठन आगे आया और न ही किसी ने इसका इलाज कराया। गाय की हालत बहुत खराब थी, इसके बारे में जैसे ही समाजसेवी पीबी बोरा को पता चला उन्होंने गौ रक्षकों चमोसी धानिक महेंद्र सिंह धानिक के साथ मिलकर अपने निजी संसाधनों और अपने खर्चे पर बेरीनाग के पशु अस्पताल के डॉक्टरो से सफल सर्जरी कराई गई। इसके बाद गाय की हालत सुधर रही है और धीरे स्वस्थ हो रही है।

श्री बोरा ने शासन और प्रशासन से अपील की है कि बेसहारा घायल गायों के संरक्षण के उपाय किया जाए और इनके लिए गौशाला खुलवाया जाए और उनके खाने के पीने की व्यवस्था की जाए जिससे कि इनका संरक्षण हो सके, इनका जीवन बचाएं जा सके। लोगों से भी अपील की कि गौ संरक्षण के लिए आगे आएं। इस मौके पर सामाजिक कार्यकर्ता प्रकाश सिंह बोरा और गौरक्षक चामू सिंह धनिक महेन्द्र सिंह धानिक राजेन्द्र सिंह धानिक, हरीश सिंह मजिला, राजेन्द्र सिंह रौतेला, भरत सिंह कालाकोटी, मनीष पन्त, योगेश धपोला, इकराम खान आदि उपस्थित थे।

सीएम से कोटद्वार के लिये मांगा आर्थिक पैकेज

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खण्डूरी ने मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से भेंट कर कोटद्वार में आपदा से हुए नुकसान के लिए राहत पैकेज की मांग की है। खण्डूरी ने कोटद्वार के पार्षदों के साथ देहरादून स्थित सीएम कैम्प कार्यालय में मुख्यमंत्री से भेंट की और कोटद्वार विधानसभा क्षेत्र में अतिवृष्टि से हुए भारी नुकसान के बारे में बताया।

एसएसजे विवि उत्कृष्ट अकादमिक केन्द्र बनेगा : प्रो. बिष्ट

अल्मोड़ा। सोबन सिंह जीना विश्वविद्यालय का कार्यभार ग्रहण करते ही नए कुलपति प्रोफेसर सतपाल सिंह बिष्ट ने दावा किया कि विवि को उत्कृष्ट शोध एवं अकादमिक केन्द्र के रूप में विकसित किया जाएगा। राष्ट्रीय शिक्षा नीति के व्यावहारिक क्रियान्वयन हेतु यूजीसी एवं राज्य सरकार के मानकों के अनुरूप छात्र केन्द्रीय पाठ्यक्रमों का संचालन किया जायेगा। विवि की कार्यप्रणाली को डिजिटलाइज करते हुए कार्य पारदर्शिता एवं तत्परता से अधिनियमों एवं परिस्थितियों के अनुरूप नियमित किए जाएंगे।

दिल्ली शंखनाद रैली में उत्तराखण्ड के शिक्षक उमड़े

दिल्ली। पुरानी पेंशन बहाली की मांग को लेकर दिल्ली में आहूत शंखनाद रैली में उत्तराखण्ड से भी बड़ी संख्या में शिक्षक उमड़े। सरकारी विभागों के अधिकारियों, कर्मचारियों और शिक्षकों ने इसमें भाग लिया। राज्य के शिक्षक संगठनों से जुड़े हजारों शिक्षक पहले से रैली के लिये तैयारी कर चुके थे। उल्लेखनीय है कि पुरानी पेंशन की मांग को लेकर लगातार चल रहे आन्दोलन में इस बार राष्ट्रीय आन्दोलन के रूप में लोग जुड़ चुके हैं और लोकसभा चुनाव से पहले सरकार के सामने पूरी ताकत के साथ अपनी मांग को रखा जा रहा है। शिक्षक नेता राम सिंह चौहान, रघुवीर सिंह पुण्डीर का कहना है कि लम्बे समय से पुरानी पेंशन की मांग कर रहे कर्मचारियों की सरकार ने सुनवाई करनी चाहिये। जब तक उनकी मांगें नहीं मानी जाती हैं यह आन्दोलन अनवरत चलता रहेगा। यह न्याय की लड़ाई है।

ज्योतिष की बातें - 146

2 अक्टूबर 2023 को शुक्र शत्रुराशि सिंह में प्रवेश करेगा । वहाँ पर गुरु की शुभ दृष्टि रहेगी तो शनि की अशुभ दृष्टि भी पड़ेगी इस कारण शुक्र का मिश्रित फल प्राप्त होगा । अत: अगले 32 दिन शुक्र भौतिक सुख आदि अपने कारक विषयों में मेष, वृषभ, मिथुन, कर्क, सिंह, कन्या, तुला, धनु, मकर राशि के जातकों को अल्प मात्र में शुभफल प्रदान करेगा। शेष तीन राशियों को अभी प्रतीक्षा करनी चाहिए।

2 अक्टूबर 2023 को बुध अस्त हो जाएगा अत: अगले 40 दिन बुध से प्राप्त हो रहे शुभाशुभ फलों में न्यूनता प्रतीत होगी।

3 अक्टूबर 2023 को मंगल समग्रह की राशि तुला में प्रवेश करेगा। वहाँ पर गुरु की शुभदृष्टि भी पड़ेगी अत: मंगल शुभ फलदायक रहेगा । अत: अगले 44 दिन मंगल पराक्रम, स्वस्थ्य, सफलता आदि अपने कारक विषयों में सिंह, वृषभ व धनु राशि के जातकों को अत्यन्त शुभ फल प्रदान करेगा।

अष्टका, अन्वष्टका- यदि माता-पिता की मृत्यु तिथि ज्ञात न हो तो पिता का पार्वण श्राद्ध अश्विन कृष्णपक्ष अष्टमी तिथि को और माता का श्राद्ध अश्विन कृष्णपक्ष नवमी अपराह्नव्यापिनी तिथि में किया जाता है। तदनुसार अष्टका, अन्वष्टका श्राद्ध क्रमश: शुक्रवार 6 अक्टूबर और शनिवार 7 अक्टूबर को किया जाएगा।

शुभं भवतु !!

-ओंकार नाथ कोष्टा
ज्योतिर्विद् एवं आयुर्विद

सम्यक् विचार- 37

सनातनी कौन?

इस समय देश में असंख्य सम्प्रदाय बने हुए हैं जो अपने को कहते तो सनातनी हैं लेकिन सनातन मार्ग की ही कोई न कोई एक बात का विरोध करते हैं। पहले हम यह समझें कि साम्प्रदाय क्या है। परिभाषा के अनुसार जिस समुदाय का कोई एक प्रवर्तक होता है, कोई एक ग्रन्थ होता है और शरीर पर कोई एक विशेष चिन्ह धारण करते हैं उस समुदाय को सम्प्रदाय कहा जाता है। लेकिन जिस समाज का कोई एक ही प्रवर्तक नहीं होता है, बल्कि कई प्रवर्तक होते हैं। कोई एक ही ग्रन्थ नहीं बल्कि कई ग्रन्थ मार्गदर्शक होते हैं। जो शरीर पर कोई एक विशेष चिन्ह धारण नहीं करते हैं, भिन्न-भिन्न प्रकार के चिन्ह हो सकते हैं, वे सनातनी होते हैं। आजकल चल रहे अपने को सनातनी मानने वाले सम्प्रदायों में ही कुछ तो वर्णाश्रम धर्म का विरोध करते हैं, कुछ वेद पुराणों को नहीं मानते हैं, कुछ वेद को तो मानते हैं लेकिन इतिहास पुराणों को नहीं मानते, कुछ सम्प्रदाय मूर्तिपूजा का विरोध करते हैं, कुछ सम्प्रदाय अपने प्रवर्तक को परमात्मा अर्थात् पंचदेवों से ऊपर दिखाते हैं। ये सम्प्रदाय वास्तव में अप्रत्यक्ष रूप से सनातन मार्ग (अर्थात् हिन्दू धर्म) को हानि ही पहुंचाते हैं।

मेरे विचार से एक सनातनी में निम्न पांच बातों का होना आवश्यक है-

1 परमात्मा के अस्तित्व को स्वीकार करता हो,
2 वेद-पुराणों को प्रमाण मानता हो,
3 कर्मफल के सिद्धान्त को मानता हो,
4 पुनर्जन्म में विश्वास रखता हो और
5 चोटी, जनेऊ, कलावा, तिलक आदि प्रतीकों में से न्यूनतम एक चिन्ह को धारण करता हो।

मेरे उपरोक्त विचार व्यक्तिगत हैं। किसी का सहमत होना अथवा न होना आवश्यक नहीं है ।

-सरल

मुद्दा

उत्तराखण्ड में यह सब क्या हो रहा है?

संविधान का अनुच्छेद 16 'रोजगार के अवसरों में समानता' तथा अनुच्छेद 14 'विधि के समक्ष समानता' की गारंटी देता है । उत्तराखण्ड राज्य गठन के तुरन्त बाद अनुच्छेद 16 के उल्लंघन की शुरुआत विधानसभा में बैकडोर की भर्तियों से हुई इसके बाद अगस्त 2004 में बिना किसी नियम के महज शासनादेश के आधार पर सैकड़ो आन्दोलनकारियों को विभिन्न विभागों में नियुक्ति मिल गई ।

इस बीच विधानसभा में बैकडोर से हुई नियुक्तियों की जाँच हेतु गठित कोटिया कमेटी द्वारा अपनी रिपोर्ट में विधानसभा में शुरु से वर्ष 2022 तक हुई सभी नियुक्तियों को अवैध ठहराये जाने के बाद हड़कम्प मच गया। सितम्बर 2023 में आनन फानन में 2016 के बाद नियुक्त 228 कार्मिको को बाहर कर दिया गया दूसरी ओर इस सवाल को लेकर भी हंगामा हुआ कि जब सभी नियुक्तियों को अवैध ठहराया गया है तो 2016 के बाद नियुक्त कार्मिकों को ही क्यों हटाया गया?

इससे पूर्व उत्तराखण्ड उच्च न्यायालय द्वारा एक जनहित याचिका में 6 दिसम्बर 2018 को एक महत्वपूर्ण फैसला दिया था जिसमें राज्य आन्दोलन कारियों की 2004 से हुई सभी नियुक्तियां को अवैध ठहराते हुए इस स्थिति को प्रारम्भ से ही शून्य घोषित कर दिया गया था। ऐसे में सवाल उठता है कि जब जाँच हेतु गठित एक कमेटी की रिपोर्ट के आधार पर विधानसभा में अवैध रूप से नियुक्त कार्मिकों को निकाल दिया गया तो उच्च न्यायालय द्वारा आन्दोलनकारी कोटे से हुई सभी नियुक्तियों को अवैध करार दिये जाने के बाद भी इस आदेश के परिपालन की दिशा में चौतरफा चुप्पी और नजरअंदाज करने वाला माहौल क्यों है?

जन संघर्ष और शहादतों से जन्में उत्तराखण्ड को 23 साल पूरे हो चुके हैं लेकिन आज भी रोजगार के अवसरों में समानता और विधि के समक्ष समानता जैसे मौलिक अधिकारों के लिए लोगों को जूझना पड़ रहा है जोअत्यन्त दुर्भाग्यपूर्ण है।

-रमेश चन्द्र पाण्डे, सेवानिवृत्त सहायक लेखा परीक्षा अधिकारी, देवकीबिहार, हल्द्वानी ।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

गढ़वाल-कुमाऊँ कमिश्नर का जवाब तलब, जवाब देने को कहा

नैनीताल। उच्च न्यायालय ने नदियों के मुहाने अवरुद्ध होने के मामले में एक बार फिर सचिव वन, सचिव सिंचाई, सचिव दैवीय आपदा, कमिश्नर गढ़वाल, कमिश्नर कुमाऊँ का जवाब तलब किया है। इन सभी नौकरशाहों को चार सप्ताह के भीतर जवाब पेश करने के निर्देश दिये हैं। इसके साथ ही अगली सुनवाई 14 फरवरी नियत कर दी है।

यह निर्देश चोरगलिया निवासी भुवन चन्द्र पोखरिया की जनहित याचिका की सुनवाई करते हुए मुख्य न्यायधीश विपिन सांघी एवं न्यायमूर्ति राकेश थपलियाल की संयुक्त खण्डपीठ ने दिया है। याचिका कर्ता का कहना है कि नन्धौर, गौला, कोसी, गंगा, दाबका नदियों के मुहाने भूकटाव व बाढ़ से अवरुद्ध हो गए हैं। इससे आबादी क्षेत्रों में जल भराव, भू कटाव, बढ़ रहा है। याचिकाकर्ता का यह भी कहना है कि नदियों के उफान पर होने के कारण हजारों हेक्टेयर वन भूमि, पेड़, सरकारी योजनाएं बह गई हैं। इस बार की बारिश में तो हल्द्वानी, देहरादून, हरिद्वार में बाढ़ की स्थिति उत्पन्न हो गई।

रुद्रपुर में धरने पर हैं नाराज व्यापारी

रुद्रपुर। जी-20 के नाम पर दुकानें उजाड़ने का आरोप लगाते हुए व्यापारियों का रोष बना हुआ है। गुस्साए व्यापारियों ने धरना देते हुए कहा कि जी-20 की आड़ में प्रशासन ने राम मनोहर लोहिया मार्केट, समोसा मार्केट और फड़ कारोबारियों की दुकानें ध्वस्त कर दीं जिससे वे लोग बेरोगार हो चुके हैं। प्रदर्शन करने पर प्रशासन ने दूसरा स्थान चिन्हित करने की बात कही लेकिन आज तक उजाड़े गये व्यापारियों को न्याय नहीं मिला है।

वन रैंक वन पेंशन को लेकर प्रदर्शन

खटीमा। पूर्व सैनिक संगठन ने वन रैंक वन पेंशन (ओआरओपी) को संशोधित कर सभी को रैंक के एक समान लाभ देने, विसंगति दूर करने की मांग को लेकर तहसील परिसर में प्रदर्शन किया। संगठन के अध्यक्ष कैप्टन गम्भीर सिंह धामी के नेतृत्व में एसडीएम के माध्यम से प्रधानमंत्री को ज्ञापन भेजा।

बाजपुर में भूमि बचाओ आन्दोलन

बाजपुर। 20 गाँवों की 5838 एकड़ जमीन के भूमिधरी अधिकारों की मांग को लेकर संयुक्त किसान मोर्चा की ओर से तहसील परिसर में चल रहे भूमि बचाओ आन्दोलन के तहत क्रमिक अनशन जारी है। संयोजक जगतार सिंह बाजवा व रजनीत सिंह सोनू ने कहा है कि इस आन्दोलन को मुकाम तक पहुँचाएंगे। प्रदर्शन कारियों ने कहा कि जब तक भूमिधरी अधिकार नहीं मिल जाता यह आन्दोलन चलता रहेगा।

इनर लाइन परमिट जारी होने से खुशी

धारचूला। दो माह बाद प्रशासन द्वारा इनर लाइन परमिट जारी करने से लोगों में खुशी है। व्यास घाटी, आदि कैलास, पार्वती कुण्ड, गौरी कुण्ड और ओम पर्वत की धार्मिक यात्रा रूट की तवाघाट लिपुलेख सड़क मानसून में बन्द थी। अब परमिट जारी होने से पर्यटन कारोबारी खुश हैं। इससे होम स्टे संचालक, वाहन चलाने वाले, टूरिस्ट गाइड सभी को आमदनी का अवसर मिलता है।

सिडकुल स्थापना को लेकर प्रदर्शन

टनकपुर। चम्पावत जिले के मैदानी क्षेत्र टनकपुर और बनबसा के बीच सिडकुल स्थापित किये जाने की मांग को लेकर इन्साफ द पावर संगठन के नेतृत्व में प्रदर्शन करते हुए सीएम कैम्प कार्यालय में आकर विधायक प्रतिनिधि दीपक रजवार के माध्यम से सीएम को ज्ञापन भेजा। संगठन के अध्यक्ष खिलाफ राम ने सभा को सम्बोधित करते हुए कहा कि रोजगार दिलाने व पलायन को रोकने के लिये सिडकुल मामले में प्रशासन ने अभी तक कुछ नहीं किया है। सरकार की घोषणा के बावजूद जनता अपने को ठगा महसूस कर रही है। युवा नशे की लत में बढ़ रहे हैं। इस ओर ध्यान दिया जाना चाहिये।

डेंगू ने चारों ओर आफत मचा रखी है

यह समय डेंगू से सावधान रहने का है। पिछले एक माह से लगातार डेंगू के मामले बढ़ते जा रहे हैं। स्वास्थ्य विभाग की ओर से सबको सकर्त किया गया है। पंचायत/पालिका/निगम की ओर से डेंगू के बचाव के लिये अभियान चलाये जा रहे हैं।

उत्तराखण्ड में डेंगू के दर्ज मामले डेढ़ हजार पार कर चुके हैं। सबसे ज्यादा प्रभावितों जिले में देहरादून है। यहाँ आठ सौ से अधिक लोग इसकी चपेट में हैं। मैदानी क्षेत्र में मच्छरों की बढ़त से डेंगू का कारण माना जा रहा था लेकिन पहाड़ में भी यह बढ़त हुई है।

स्वास्थ्य सचिव राजेश कुमार ने कहा है कि शासन स्तर पर भी प्रतिदिन डेंगू रोग निरोधात्मक कार्यों की निरन्तर समीक्षा बैठकों की वर्चुअल माध्यमों से व स्थानीय निरीक्षणों के माध्यम से की जा रही है लेकिन यह दिख रहा है कि विभागीय स्तर पर डेंगू रोग निरोधात्मक कार्यवाहियों और विभागीय अनुश्रवण में आशानुरूप प्रगति नहीं हो पा रही है और कहीं न कहीं लापरवाही हो रही है।

नैनीताल में खतरा और आफत दिखी

नैनीताल। नगर के चार्टन लॉज क्षेत्र में भूस्खलन से बहुमंजिला भवन समेत चार मकानों के ध्वस्त हो जाने से इस शहर में खतरा और आफत साफ दिखाई दिया है। इस हादसे के बाद हर कोई सोच में है कि आखिर नैनीताल में बसने की होड़ ने कितना खतरा बढ़ा दिया है।

भूस्खलन के समय जिस प्रकार से बहुमंजिला भवन तास के पत्तों की तरह बिखर कर गिर पड़ा गनीमन है कि कोई व्यक्ति इसकी चपेट में नहीं आया। दोपहर के समय हुए इस हादसे में कई लोग इसके गवाह बने और वीडियो वायरल किये गये। घटना के समय पुलिस व प्रशासन भी मौके पर पहुँच गया था। बताया जा रहा है कि चार्टन लॉज क्षेत्र में जिस स्थान पर भूस्खलन हुआ है निर्माण की पाबन्द है। टूट बहुमंजिले भवन को भी अवैध तरीके से बनाया गया था जिस पर प्राधिकरण की कार्यवाही थी। जो कुछ भी हुआ, आगे चेतना है। आखिर कौन और कैसे निर्माण कर रहे हैं।

लालकुआ में नोटिस से हड़कम्प

हल्द्वानी/लालकुआ। लालकुआ में रेलवे के बाद तराई केन्द्रीय वन प्रभाग से लालकुआ नगर में गुरुद्वारा के बाद ट्रान्सपोर्ट नगर और वीआईपी बेट कालोनी क्षेत्र में सैकड़ों प्रतिष्ठानों एवं घरों को टाने की कार्यवाही शुरु हो चुकी है। इसके लिये सभी को नोटिस भेजकर चार अक्टूबर तक रुद्रपुर कार्यालय में पहुँचकर अपना पक्ष रखने को कहा गया है। नोटिस मिलने से पूरे इलाके में हड़कम्प है और लोगों ने विधायक मोहन सिंह बिष्ट से भेंट कर मदद की गुहार लगाई है। इनका कहना है कि 50 वर्षों से भी अधिक समय से निवास कर रहे हैं और अपना कारोबार कर रहे हैं। अब उनके घर और प्रतिष्ठिनों पर नोटिस चस्पा कर अतिक्रमणकारी बताकर अविलम्ब उक्त स्थान खाली करने को कहा जा रहा है। चार अक्टूबर तक रुद्रपुर के तराई केन्द्रीय वन प्रभाग में पक्ष रखने को है। विधायक मोहन बिष्ट ने क्षेत्रवासियों की सुनने के बाद प्रमुख वन संरक्षक से फोन पर वार्ता की है।

शांतिपुरी पास हाईवे पर गरजा बुलडोजर

हल्द्वानी। प्रशासन का अतिक्रमण हटाओ अभियान जारी है। बरेली-हल्द्वानी हाईवे व रेलवे लाइन के बीच लोक निर्माण विभाग की भूमि पर गोकुलनगर व आनन्द पुर मोड़ तक प्रशासन का बुलडोजर गरजा इसमें 6 दर्जन से अधिक अवैध निर्माण ध्वस्त कर दिये गये। तहसीलदार सुरेश चन्द्र बुधलाकोटी के नेतृत्व में जिला प्रशासन की टीम पुलिस बल के साथ दो जेसीबी लेकर गोकुलनगर पहुँची और यह अभियान चला।

पीड़ितों ने अपने बच्चों, बुजुर्गों, बीमारों का हवाला देते हुए आवास उजाड़ने का मना किया लेकिन अभियान चलता रहा। ऐसे में लोगों ने अपना सामान समेटना शुरु किया। खुद से झोपड़ी तोड़ने वालों को अधिकारियों ने उन्हें सामान उठाकर ले जाने का मौका दिया। इस दौरान कानूनगो अशोक कुमार, पटवारी राजकुमार समित लोनिवि, नगर पालिका व पुलिस कर्मी मौजूद थे।

यूकेडी महासम्मेलन, कठैत बने अध्यक्ष

गैरसैंण। उत्तराखण्ड क्रान्तिदल का 22वां द्विवार्षिक महासम्मेलन भुवनेश्वरी आश्रम में सम्पन्न हुआ। पार्टी अध्यक्ष के लिए हुए चुनाव में सर्वाधिक 96 मत पाकर पूरन सिंह कठैत अध्यक्ष चुने गये। इस पद के लिये पंकज व्यास और देवेश्वर भट्ट भी थे। दल का अध्यक्ष बनने के बाद श्री कठैत ने कहा कि उक्रांद को मजबूत करना मेरी प्राथमिकता रहेगी। इसके लिए युवाओं को पार्टी के साथ जोड़ा जायेगा। गाँव से लेकर शहरों तक पार्टी कैडर का विस्तार किया जायेगा। प्रदेश सरकार की जनविरोधी नीतियों के खिलाफ मजबूती से आवाज उठाएंगे। साथ ही जिस उद्देश्य के लिये राज्य बना था, उन्हें लागू करने के लिये मिल कर सरकार पर दबाव बनाएंगे। दल के पूर्व अध्यक्ष काशी सिंह ऐरी ने कहा कि दल में अभी तक अध्यक्ष का चयन सर्वसम्मति से होता था। पहली बार चुनाव हुआ है। इससे पता चलता है कि उक्रांद के भीतर आन्तरिक लोकतन्त्र कितना मजबूत है। ये नई पहल है। इससे पार्टी को मजबूती मिलेगी।

ग्रामीणों ने की विस्थापन की मांग

धारचूला। आपदा प्रभावित दर क्षेत्र के ग्रामीणों ने नारायण दरियाल के नेतृत्व में तहसील मुख्यालय पहुँचर प्रदर्शन किया। इनका कहना है कि भूधंसाव के कारण उनका इलाका रहने लायक नहीं रह गया है। दरके सौ घरों में दरार आ चुकी है। पूर्व में दर के खेखती, सुयाल, कर्तो, खाजी, सिरंग, च्यांगति, जोंगती के परिवारों को सितारगंज में विस्थापित किया गया था। अब पीड़ित परिवारों को भी वहीं विस्थापित कर दिया जाए।

सैंणराथी गधेरे से भूकटाव

मुनस्यारी। तल्ला जोहार के ग्रामीणों ने जाकुला नदी पर तटबन्ध बनाने व सैंण राथी गधेरे में पानी की निकासी के लिये नालियों के निर्माण की मांग की है। बताया कि इस नदी व गधेरे से लगातार भूकटाव जारी है और नौले-धारों में पानी जमीन के भीतर रिस रहा है। ऐसे में भूमि का सर्वे कराया जाना जरूरी है अन्यथा भविष्य में बड़ी घटना होगी।

परिक्रमा

कस्तूरी मृगों में बीमारी से मौत

बागेश्वर। कस्तूरी मृग अनुसंधान केन्द्र महरूड़ी धरमघर में कस्तूरी मृगोंपर बीमारी से 5 की मौत हो चुकी है। मृगों के सैंपल आरबीआरआई भेजे गये हैं। जाँच रिपोर्ट आने के बाद मृगों की मौत की सही वजह का पता चलेगा। बताया जा रहा है कि मृगों के घुटनों के आस पास सूजन से बीमारी शुरु हुई और पेट खराब था।

हाईकोर्ट न्यायधीश बनने पर अभिनन्दन

थराली। नैनीताल हाईकोर्ट के न्यायधीश व देवालग्वाड़ निवासी ग्राम निवासी पंकज पुरोहित के न्यायधीश बनने के बाद पहली बार गाँव आने पर ग्रामीणों ने अभिनन्दन किया। न्यायधीस पुरोहित पत्नी संग देवालग्वाड़ में आयोजित हो रहे पाण्डव नृत्य कार्यक्रम में भाग लेने नैनीताल से थराली पहुँचे। यहाँ विधायक भूपाल राम टम्टा, रणजीत नेगी, नरेन्द्र भारती, भाष्कर पाण्डे मौजूद थे।

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

द्वाराहाट विधायक मदन बिष्ट के बोल बने उनकी फजीहत कारण

छात्रों और कर्मचारियों का प्रदर्शन, विधायक के पुतले फूंके

प्रदेशभर में प्रदर्शन कर निष्कासन की मांग, कांग्रेस असहज

द्वाराहाट। इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक डॉ. के.के.एस.मेर को धमकाने और गाली-गलौज करने के मामले में स्थानीय विधायक मदन बिष्ट को फजीहत झेलनी पड़ रही है। विधायक के कृत्यों का वीडियो वायरल है और लोगों में भारी रोष है कि एक विधायक इस प्रकार का व्यवहार करता है। इंजीनियरिंग कालेज के विद्यार्थियों और कर्मचारियों ने उनका पुतला फूंक डाला।

विधायक के वायरल वीडियो के बाद से तो अल्मोड़ा सहित अन्य स्थानों पर भी मदन बिष्ट का पुतला फूंक प्रदर्शन हुए हैं। वीडियो में विधायक अर्मादित शब्दों का प्रयोग करते हुए निदेशक को भाजपा का एजेंट बता रहे हैं और उनके घर जाकर ही धमकाया जा रहा है।

इस मामले में इंजीरियरिंग कालेज के निदेशक डॉ.के.के.एस.मेर का कहना है कि विधायक ने अभद्रता की सारी हदें पार कर दी। रात्रि में जब मैं परिवार के साथ था, वह धमकाने घर आ गये। वह झूठे आरोप लगा रहे हैं जबकि मेरा किसी पार्टी से लेना-देना नहीं है। मैं सरकार से मिले निर्देशों के अनुसार काम कर रहा हूँ जो मेरी नैतिक जिम्मेदारी है। जिस प्रकार की घटना हुई है उससे मुझे और मेरे परिवार को खतरा महसूस हो रहा है।

दूसरी ओर विधायक मदन का कहना है कि निदेशक ने जब फोन रिसीव नहीं किया तो मैं उनके आवास पर पहुँच गया। मेरे वहाँ पहुँचते ही निदेशक ने भीतर से अभद्र भाषा में जवाब दिया। मैंने भी उसी तरह की भाषा प्रयोग की। विधायक का आरोप है कि इंजीनियरिंग कालेज में लम्बे समय से घपला चल रहा है। कर्मचारियों को वेतन नहीं मिल रहा है।

विधायक चाहे अब जो कुछ सफाई देते रहें उनके व्यवहार पर चारों ओर गुस्सा है। भाजपा और इसके संगठनों ने जगह-जगह प्रदर्शन करते हुए विधयक के निष्कासन की मांग की है। मदन बिष्ट के वायरल वीडियो से कांग्रेस असहज है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने कहा कि मर्यादित व्यवहार होना चाहिये।

रानीखेत जिलाध्यक्ष रावत को हटाया

द्वाराहाट। इंजीनियरिंग कालेज मामले में विधायक मदन बिष्ट के साथ जिलाध्यक्ष नारायण सिंह रावत का नाम आने से उन्हें पद से हटा दिया गया है। कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष करन माहरा ने रानीखेत जिलाध्यक्ष नारायण सिंह रावत को पद से हटा कर दीपक किरौला को कार्यकारी अध्यक्ष बनाया है। श्री रावत के लिये कहा जा रहा है कि वह लम्बे समय से पार्टी कार्यक्रमों में रुचि नहीं ले रहे हैं। द्वाराहाट विधायक मदन बिष्ट कह रहे हैं कि इंजीनियरिंग कालेज और डायरेक्टर को लेकर वह प्रदर्शन करेंगे। कहा कि नारायण सिंह रावत का घर डायरेक्टर आवास के सामने ही है, इसलिये वे भी उस वक्त मौके पर मौजूद थे।

नैनीताल नन्दादेवी मेला राजकीय घोषित

नैनीताल। नन्दादेवी मेले में पधारे पर्यटन मंत्री सतपाल महाराज ने इस मेले को राजकीय करने की घोषणा की है। महाराज ने कहा कि नन्दा देवी महोत्सव को राजकीय मेला घोषित करने की पुरानी मांग थी। सरकार ने इसके महत्व को देखते हुए इसे राजकीय मेला घोषित करने का निर्णय लिया है। मंत्री ने जिले में चल रही अपने विभाग की 14.77 करोड़ की विकास योजनाओं का शिलान्यास किया।

कोटद्वार में भूकम्पों के प्रमाण मिले

देहरादून। वाडिया हिमालय भू-विज्ञान संस्थान के वैज्ञानिकों ने 13वीं व 15वीं शदी में उत्तराखण्ड के लालढांग (कोटद्वार) में दो बड़े भूकम्पों के आने के प्रमाण खोजे हैं। इसमें अभी शोध जारी है। बताया गया है कि इस विशाल भूकम्प से जमीन 19 मीटर ऊपर उठ गई थी। भूमि का उठा हुआ भाग इसके फाल्ट वाले पूरे क्षेत्र में देखा जा सकता है।

खतरा बढ़ने से परिवारों ने घर छोड़े

नैनीताल। चार्टन लॉज क्षेत्र में भूस्खलन से हुए नुकसान के बाद अभी खतरा बना हुआ है। ऐसे में वर्षों से निवास कर रहे 22 परिवारों ने अपने घर छोड़कर अन्यत्र शरण ले ली है। प्रशासन ने भी इन सभी चिन्हित परिवारों को नोटिस देकर हटने के लिये कह दिया था। नैनीताल के भविष्य को लेकर शहरवासी भी चर्चा कर रहे हैं। देखना अब यह है कि सरोवर नगरी के सुरक्षा इन्तजाम में क्या किया जाता है।

तीन दिवसीय किताब कौथिग भीमताल में

भीमताल। समाज में 'पढ़ने लिखने की संस्कृति' को बढ़ावा देने और महत्वपूर्ण पर्यटन स्थलों को प्रचारित प्रसारित करने के उद्देश्य से चलाए जा रहे 'किताब कौतिक' अभियान के तहत टनकपुर, बैजनाथ, चम्पावत, पिथौरागढ़ और द्वाराहाट के बाद नैनीताल जिले में पहली बार झीलनगरी भीमताल में 5, 6 और 7 अक्टूबर 2023 को 3 दिवसीय किताब कौतिक आयोजित किया जा रहा है। कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रसिद्ध लेखक और विचारक प्रो. पुष्पेश पन्त सहित देशभर से कई साहित्यकार, रंगकर्मी और मीडियाकर्मी भीमताल पहुँचेंगे। यह अभियान टीम कुमाउनी आर्काइव्स, क्रिएटिव उत्तराखंड आयोजित कर रही है।

आयोजन में जुटे हेम पन्त व दयाल पाण्डे ने बताया है कि इस आयोजन के दौरान 60 प्रकाशकों की लगभग 60,000 पुस्तकें, साहित्यिक परिचर्चा, पुस्तक विमोचन, फोटोग्राफी प्रतियोगिता, विज्ञान कोना, दूरबीनों से तारा अवलोकन, नेचर वॉक, पक्षी अवलोकन, स्वयं सहायता समूहों के स्टाल व प्रसिद्ध लेखकों से सीधी बातचीत होगी। स्कूली बच्चों के क्विज, ऐपण, चित्रकारी और कविता वाचन प्रतियोगिताएं होंगी।

पुस्तक कौथिक आयोजन के पहले दिन 5 अक्टूबर को विभिन्न विद्यालयों में साहसिक पर्यटन, लोककला, चित्रकारी, अभिनय आदि विषयों पर कैरियर काउंसिलिंग सत्र आयोजित किए जाएंगे। 6 और 7 अक्टूबर को ग्राफिक एरा हिल यूनिवर्सिटी में वृहद पुस्तक मेला और साहित्यिक सत्र होंगे।

नैनीताल की घोड़ा लाइब्रेरी मन की बात कार्यक्रम में

नैनीताल। पहाड़ों में शिक्षा हासिल करने में बच्चों को कई प्रकार की मुश्किलों का सामना करना पड़ता है। पहले तो संसाधनों की कमी और दूसरा कई बार ऐसी परिस्थितियां आ जाती हैं, जिससे कि छात्र स्कूल भी पढ़ाई के लिए नहीं पहुँच पाते। इसके अलावा शहरों में लाइब्रेरी के जरिए छात्रों को पढ़ाई करने में काफी मदद मिल जाती है, पहाड़ों में इस तरह की सुविधाएं मिलना सपना जैसा ही है। लेकिन नैनीताल जिले के युवाओं ने एक ऐसी अनोखी पहल की है जिससे पहाड़ों में भी दूरस्थ क्षेत्रें में आसानी से किताबें उपलब्ध हो रही है। यहां पर कुछ युवाओं ने घोड़े की पीठ पर चलती-फिरती लाइब्रेरी यानी घोड़ा लाइब्रेरी शुरू की है। जो कि गाँवों में पहुँचकर बच्चों को किताबी ज्ञान पूरा करवाने में मदद कर रही है। ये लाइब्रेरी ऐसे समय में बच्चों के बहुत काम आ रही है जब पहाड़ों में बारिश से रास्ते बन्द हो जाते हैं। घोड़ा लाइब्रेरी में सामान्य ज्ञान, प्रेरक कहानियां और नैतिक शिक्षा सम्बन्धी पुस्तकें दी जा रही हैं। युवाओं का कहना है कि सरकार की ओर से पाठ्यक्रम की पुस्तकें स्कूलों में मिल जाती हैं। उनका प्रयास बच्चों को साहित्य व नैतिक शिक्षा से जोड़ना है। नैनीताल जिले के कोटाबाग के आंवलाकोट निवासी शुभम बधानी ने बताया कि 10 जून को बारिश ने दूरस्थ गाँवों में आपदा ने काफी नुकसान पहुँचाया। शुभम ने युवाओं के साथ मिलकर बच्चों को साहित्य और नैतिक शिक्षा से जोड़ने की मुहिम शुरू की। बाघिनी गाँव से घोड़ा लाइब्रेरी शुरू करने का निर्णय लिया। इस गाँव के लोगों की मदद से एक घोड़ा मिला। घोड़े की पीठ पर पुस्तकें लेकर वह टीम के साथ गाँव में निकले और बच्चों को पुस्तकें दीं। जिसके बाद जलना, तोक व आलेख गाँव तक घोड़ा लाइब्रेरी पहुँच गई। युवाओं की टोली अब तक 300 पुस्तकें बांटी जा चुकी हैं। उन्होंने आगे बताया कि पुस्तकें पहुँचाने के साथ ही उनकी ओर से चौपाल लगाकर नौनिहालों को अक्षर ज्ञान के साथ ही कई फिजिकल एक्टिविटीज भी कराई जाती है, जो उनके बौद्धिक विकास के साथ ही शारीरिक विकास दोनों के लिए बेहद कारगर सिद्ध होगी। सीएम मोदी ने अपने मन की बात कार्यक्रम में नैनीताल की घोड़ा लाइब्रेरी का जिक्र किया। इस लाइब्रेरी में सबसे बड़ी विशेषता यही है कि दुर्गम से दुर्गम इलाकों में भी इसके जरिए बच्चों तक पुस्तकें पहुँच रही हैं। और इतना ही नहीं, ये सेवा, बिल्कुल नि:शुल्क है। अब तक घोड़ा लाइब्रेरी के माध्यम से नैनीताल के 12 गाँवों को लाभान्वित किया गया है।

हिमोत्थान के शुभम ने बताया कि दूरस्थ पर्वतीय गाँवों (तल्ला जलना, मल्ला जलना, मल्ला बाघनी, सल्वा एवं बदनधुरा) में जहाँ ना सड़क हैं, ना जाने की अन्य कोई सुविधाएं, कुछ पगडंडी रास्ते हैं, लेकिन वो भी भूस्खलन की मार झेल रहे हैं। ऐसे में हिमोत्थान टाटा ट्रस्ट द्वारा पर्वतीय गाँव बाघनी, छड़ा, सल्वा, जलना के युवाओं एवं स्थानीय शिक्षा प्रेरकों की मदद से घोड़ा लाइब्रेरी की शुरुआत की गई।

विधायक मदन खुलकर मोर्चा में

द्वाराहाट। इंजीनियरिंग कालेज मामले में विधायक मदन बिष्ट घिरते हुए भी खुलकर मोर्चा खोले हुए हैं, इससे यह भी सिद्ध हो रहा है कि राजनीति करने वाले क्या क्या करते हैं और कर सकते हैं।

फिलहाल इंजीनियरिंग कालेज में छात्रों के बीच हुई मारपीट की घटना में क्षेत्रीय विधायक मदन बिष्ट को बैठे बिठाए मुद्दा मिल गया। लोगों के आक्रोश से दो कदम पीछे हुए विधायक अब एक कदम आगे बढ़ा चुके हैं। कालेज में हुई फ्रेशर पार्टी के दौरान हुए बबाल पर विधायक इसे कालेज प्रशासन की गम्भीर चूक बता रहे हैं।

स्याल्दे में निदेशक का पुतला फूंका

स्याल्दे। इंजीनियरिंग कालेज के निदेशक और विधायक के बीच हुए विवाद में राजनीतिक रंग भी चढ़ाया जा रहा है। स्याल्दे में विधायक मदन बिष्ट के समर्थन में कांग्रेसियों ने प्रदर्शन करते हुए कहा कि उन्हें फंसाया जा रहा है। कहा कि कालेज में चल रहे घपले को रोकने और कर्मचारियों की परेशानी सुलझाने के लिये विधायक बिष्ट निदेशक से मिलने गए तो भाजपा के इशारे पर निदेशक ने उनके खिलाफ षड्यन्त्र रचा। जिसके किसी कीमत पर बर्दाश्त नहीं किया जायेगा।

विकासखण्ड स्याल्दे के सराईखेत में निदेशक का पुतला जलाकर प्रदर्शन करने वालों में कुंवर सिंह कठैत, मोहन राम, कुलदीप सिंह, प्रकाश नेगी, माधो सिंह, सुरेन्द्र सिंह, गंगा देवी, चम्पा देवी व कार्यकर्ता मौजूद थे।

शुभकामनाओं के साथ-

गिरीश चन्द्र उप्रेती

लीला-लक्ष्मी विला, लेन नं- 9 इन्द्रप्रस्थ, नेहरु ग्राम

देहरादून

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)

कौतिकों के दौरान........

फोटो- केशव भट्ट, बागेश्वर

द्वाराहाट विधायक मदन को लेकर निशाना

कांग्रेस ने हाईकमान को रिपोर्ट भेजी है और भाजपा उठा रही है सवाल

देहरादून/द्वाराहाट। द्वाराहाट में जब से विधायक मदन बिष्ट का कौतिक शुरु हुआ है कांग्रेस असहज है और भाजपा सवाल दाग रही है। विधायक के समर्थक कुछ जगहों पर उनके पक्ष में प्रदर्शन कर चुके हैं लेकिन उनकी अशोभनीय भाषा और व्यवहार से जिस प्रकार का वृत्त और अर्द्धवृत्त बन चुका है वह रेखागणित के आंकड़े पूरा कर रहा है।

मामला इतना आगे बढ़ चुका है कि पार्टियों के बड़े नेता भी इस मामले पर आग-पानी हो चुके हैं। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने विधायक मदन बिष्ट के बोल को दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए कहा कि इस पर कांग्रेस नेताओं को अपनी स्थिति स्पष्ट करनी चाहिये। कहा कि बात-बात प्रतिक्रिया करने वाले कांग्रेसी नेताओं ने चुप्पी क्यों कर ली है। धामी ने कहा कि इस तरह का आचरण नहीं किया जाना चाहिये।

दूसरी ओर विधायक की मुश्किल बढ़ती ही जा रही है। कांग्रेस पीसीसी की ओर से एआईसीसी को रिपोर्ट भेजी गई है। इससे पहले कांग्रेस अध्यक्ष ने बैठक कर इस मामले में मंथन कर नपा-तुला बयान दिया था। पार्टी के प्रदेश प्रवक्ता मथुरादत्त जोशी का कहना है कि रिपोर्ट के आधार पर हाईकमान निर्णय ले सकता है। विधायक मदन का कहना है कि मेरी रिपोर्ट किसने और कहाँ भेजी है मुझे पता नहीं। मामले को लेकर मेरी प्रदेश नेताओं से चर्चा हुई। मैं क्षेत्र के विकास के लिये कार्य कर रहा हूँ।

पर्यटन विभाग के खिलाफ पंचायत प्रतिनिधियों ने खोला मोर्चा

विश्व पर्यटन दिवस पर उठे सवाल, जहाँ पर्यटन नहीं वहाँ कार्यक्रम

पिथौरागढ़। विश्व पर्यटन दिवस के अवसर पर जिले भर में हो रहे विभिन्न कार्यक्रमों में मुनस्यारी का चयन नहीं होने पर क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों ने पर्यटन विभाग के खिलाफ मोर्चा खोल दिया। उन्होंने कहा कि भारत सरकार पूरे देश में मुनस्यारी के सरमोली गाँव को सर्वश्रेष्ठ पर्यटन गाँव घोषित कर रहा है। वहीं जिले का पर्यटन विभाग पूरे जिले में कार्यक्रम कर रहा है, लेकिन मुनस्यारी में एक भी कार्यक्रम तय नहीं किये गये। ज्ञात रहे कि 27 सितम्बर को विश्व पर्यटन दिवस मनाया जाता है। इस बार पर्यटन दिवस की उपलक्ष पर जिले में 21 सितम्बर से विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किया जा रहे है। जिसमें गंगोलीहाट में एक तथा शेष सभी कार्यक्रम जिला मुख्यालय में आयोजित किया जा रहे हैं।

कार्यक्रमों के आयोजन स्थल के रूप में मुनस्यारी का नाम कहीं भी नहीं है। जबकि पहले जिलाधिकारी की बैठक में बनाई गई कार्य योजना के अनुसार

मुनस्यारी को भी एक कार्यक्रम के लिए चुना गया था। कार्यक्रम का प्रारूप फाइनल होते समय मुनस्यारी का नाम गायब कर दिया गया। इस बात को लेकर क्षेत्र के पंचायत प्रतिनिधियों में जिले के पर्यटन विभाग के खिलाफ गुस्सा व्याप्त है। जिला पंचायत सदस्य जगत मर्तोलिया ने कहा कि जिले में सबसे अधिक टूरिस्ट मुनस्यारी, धारचूला, चौकड़ी, तथा पाताल भुवनेश्वर में आता है। इन स्थानों पर विश्व पर्यटन दिवस के कार्यक्रम होने चाहिए थे। इन दिनों भी इन स्थानों में सैकड़ो की संख्या में पर्यटक ठहरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि पिथौरागढ़ जिला मुख्यालय में आने वाले टूरिस्ट की संख्या 10 प्रतिशत भी नहीं है, लेकिन फिर भी सारे कार्यक्रम जिला मुख्यालय में आयोजित किया जा रहे है। उन्होंने इसके औचित्य पर सवाल उठाते हुए कहा कि आगामी जिला पंचायत की बैठक में पर्यटन विभाग की मनमानी के खिलाफ धरना प्रदर्शन करेंगे।

उन्होंने कहा कि पर्यटन विभाग के कार्यक्रमों को कौन हाईजैक कर रहा है, इसकी जानकारी भी जनप्रतिनिधियों को दी जानी चाहिए। उन्होंने आज पर्यटन मंत्री, जिलाधिकारी, सचिव पर्यटन तथा मुख्य सचिव को पत्र भेज कर जिले के पर्यटन विभाग की शिकायत की है। उन्होंने कहा कि स्थल चयन के मामलों की जाँच होनी चाहिए। चयन करने के लिए जो भी अधिकारी दोषी है उसके खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। ताकि इस तरह की मनमानी भविष्य में ना हो सके।

Hotel
Bala Paradise
Tiksain, Munsiari
Ph. 05961222237, 9412951678

Hayat Paradise
Bus Station
Munsiari
Ph. 09411556700, 9997733070

माँ नन्दा आयरन एण्ड बिल्डिंग मैटेरियल, भोटिया पड़ाव, हल्द्वानी
(सीमेन्ट, सरिया, टाइल, पेण्ट, सेनेटरी, हार्डवेयर)
गोदाम- जोहार एसोसिएट्स
बच्चीनगर- 1, कमलुवागांजा, हल्द्वानी
मो.- 7409440813, 7500619761

MARTOLIA
FURNITURE
A unit of Martolia Enterprises
Pilikothi, Haldwani
Mob- 8057167777, 7906752084, 8650427229

धमोत होम स्टे
धरमघर/चकोड़ी
(एडवेंचर जोन, ट्रेकिंग,माउंटेन वाइकिंग, स्थानीय व्यंजन)
मो. 9760007148
www.mountainheights.in

होटल माँ नन्दादेवी एण्ड बारातघर
नानासेम, मुनस्यारी
गणेश सिंह मर्तोलिया एण्ड सन्स
हार्डवेयर, बिल्डिंग मैटीरियल, जनरल आर्डर सप्लायर्स
फोन सम्पर्क- 05961-222236
8958525979, 9411134775

Enjoy Beauty of Himalaya at
MARTOLIA LODGE
Family Guest House- Sarmoly, Munsiyari
A Home Away From Home & Home Stay
Phone: (05961) 222287

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक श्रीमती गीता उप्रेती द्वारा पिघलता हिमालय, जे०के०पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी (नैनीताल) उत्तराखण्ड से प्रकाशित एवं शक्ति प्रेस, कालाढूंगी रोड, हल्द्वानी (नैनीताल) से मुद्रित।
सम्पादकः श्रीमती गीता उप्रेती फोन/फैक्सः (05946) 264013, 9458961490, 9411770280, 9411301014, 9410713075,
editorpighaltahimalay@gmail.com
Website- www.pighaltahimalay.com
पत्र व्यवहार के लिये पते- जे0के0पुरम्, सेक्टर डी, छोटी मुखानी, हल्द्वानी(नैनीताल)

Print to PDF without this message by purchasing novaPDF (http://www.novapdf.com/)